Edit with WPS Office

विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

वर्ग - चतुर्थ विषय- हिंदी

दिनांक 18- 07- 20 विषय शिक्षिका- नीतू कुमारी

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

पाठ- 8

सच्चाई की खेती

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने सच्चाई की खेती कहानी का आधा भाग्य अध्ययन किए, आज उसी कहानी का शेष भाग अध्ययन है। जो इस प्रकार है:-

माफी मांगने पर भी जब बादशाह नहीं माने तब रानी राजमहल छोड़कर आगरा से बाहर चली गई। शीघ्र ही यह खबर चारों तरफ फैल गई। अगले दिन बादशाह ने दरबार में पूछा,"क्या कभी किसी ने झूठ बोला है।"

सभी दरबारियों ने भय के कारण कह दिया कि उन्होंने सदा सच बोला है। उसी समय दरबार में बीरबल ने प्रवेश किया। उसने उसी प्रश्न का यह उत्तर दिया-"मैंने हमेशा ईमानदारी से काम करने की कोशिश की है, पर कभी-कभी ऐसा समय भी आता है जब व्यक्ति को ना चाहते हुए भी झूठ बोलना पड़ता है।"

यह सुनकर अकबर ने कहा"-बीरबल, मैं नहीं चाहता कि मेरे दरबार में कोई झूठा मंत्री रहे। तुम झूठ का सहारा लेने में भी विश्वास रखते हो, अतः तुम मेरे आदेश से तुरंत आगरा छोड़ दो।"

जब रानी को बादशाह अकबर के इस आदेश का पता चला तो उसने अपने विश्वासपात्र नौकर से बीरबल को बुला भेजा। जब बीरबल रानी से मिले तब रानी ने पूर्व घटित घटना सुनाई। बीरबल ने रानी को मदद करने का भरोसा दिया।

बीरबल रानी से विदा लेकर एक अच्छे जौहरी के पास गया उसने जोहरी को गेहूं के दाने दिखाएं और कहा,"मैं चाहता हूं कि तुम इसी प्रकार के सोने के दाने बनाओ जो बिल्कुल गेहूं के दाने जैसे लगते हो" कुछ ही दिनों में गेहूं के सोने के दाने तैयार हो गए ।बीरबल उन्हें लेकर बादशाह अकबर के दरबार में पहुंचा।

बच्चों, आज के लिए इतना ही शेष अगली कक्षा में।

दी गई ,अध्ययन -सामग्री को पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

गृह कार्य

पेज नंबर 49 दिए गए शब्दार्थ लिखे तथा याद करें।